SET-2

Series BVM/2

कोड नं.
Code No. **2/2/2**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं । प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं – क, ख, ग ।*

(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर क्रमशः लिखें ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *12*

महिलाओं की मर्यादा और उनसे दुर्व्यवहार के मामले भी अन्य मामलों की तरह न्यायालयों में ही जाते हैं किंतु पिछले कुछ समय से ऐसे आचरण के लिए स्वयं न्यायपालिका पर उँगली उठाई जा रही है । काफ़ी हद तक यह समस्या न्यायपालिका की नहीं, बल्कि पूरे समाज की कही जा सकती है । जज भी समाज के ही अंग हैं, इसलिए यह समस्या न्यायपालिका में भी दिखाई देती है । हमारे समाज में क़ानून के पालन को लेकर बहुत शिथिलता है और अकसर क़ानून का पालन न करने को सामाजिक हैसियत का मानक मान लिया जाता है । वी.आई.पी. संस्कृति का छद्म सिद्धांत ही यह बना लिया गया है कि उसे सामान्य नियम-क़ानून नहीं पालन करने होते, क्योंकि वह महत्त्वपूर्ण व्यक्ति है । छोटे शहरों, कस्बों में सरकारी अफ़सरों की हैसियत बहुत बड़ी होती है । और जज भी उन्हीं हैसियत वाले लोगों में शामिल होते हैं । ऐसे में, अगर कुछ जज यह मान लें कि वे तमाम सामाजिक मर्यादाओं से ऊपर हैं, तो यह हो सकता है । माना यह जाना चाहिए कि जितने ज़्यादा ज़िम्मेदार पद पर कोई व्यक्ति है, उस पर क़ानून के पालन की ज़िम्मेदारी भी उतनी ही ज़्यादा है । ख़ास तौर से जिन लोगों पर क़ानून की रक्षा करने और दूसरों से क़ानून का पालन कराने की ज़िम्मेदारी है, उन्हें तो इस मामले में बहुत ज़्यादा सतर्क होना चाहिए लेकिन प्राय: ऐसा होता नहीं है । इस समस्या की ओर कई वरिष्ठ जज और न्यायविद ध्यान दिला चुके हैं कि न्यायपालिका में निचले स्तर पर अच्छे जज नहीं मिलते । इसकी एक बड़ी वजह यह है कि अच्छे न्यायिक शिक्षा संस्थानों से निकले अच्छे छात्र न्यायपालिका में नौकरी करना पसंद नहीं करते, क्योंकि उन्हें कामकाज की परिस्थितियाँ और आमदनी, दोनों ही आकर्षक नहीं लगतीं । नेशनल लॉ इंस्टिट्यूट को तो बनाया ही इसलिए गया था कि अच्छे स्तर के जज और वकील वहाँ से निकल सकें, लेकिन देखा यह गया है कि वहाँ से निकले ज़्यादातर छात्र कॉर्पोरेट जगत में चले जाते हैं । अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के छात्र भी बजाय जज बनने के प्रैक्टिस करना पसंद करते हैं । जजों की चुनाव प्रक्रिया में कई ख़ामियाँ हैं जिन्हें दूर किया जाना ज़रूरी है, ताकि हर स्तर पर बेहतर गुणवत्ता के जज मिल सकें ।

(क) गद्यांश को पढ़कर उचित शीर्षक लिखिए । *1*

(ख) आजकल न्यायपालिका पर उँगली क्यों उठाई जा रही है ? *1*

(ग) कुछ जज अपने आप को सारी सामाजिक मर्यादाओं से ऊपर क्यों मान लेते हैं ? *2*

(घ) जजों को अधिक सतर्क क्यों होना चाहिए ? *2*

(ङ) न्यायपालिका में निचले स्तर पर अच्छे जज क्यों नहीं मिलते ? *2*

(च) नेशनल लॉ इंस्टिट्यूट और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के अनेक अच्छे छात्र जज बनना क्यों नहीं चाहते हैं ? *2*

(छ) वी.आई.पी. संस्कृति की धारणा किस प्रकार सामाजिक अराजकता और ग़ैर-बराबरी को बढ़ावा देती है ? *2*

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *1×4=4*

यादें होती हैं गहरी नदी में उठी भँवर की तरह
नसों में उतरती कड़वी दवा की तरह
या ख़ुद के भीतर छिपे बैठे साँप की तरह
जो औचक्के में देख लिया करता है
यादें होती हैं जानलेवा ख़ुशबू की तरह
प्राणों के स्थान पर बैठे जानी दुश्मन की तरह
शरीर में धँसे उस काँच की तरह
जो कभी नहीं दिखता
पर जब-तब अपनी सत्ता का
भरपूर एहसास दिलाता रहता है
यादों पर कुछ भी कहना
ख़ुद को कठघरे में खड़ा करना है
पर कहना मेरी मजबूरी है ।

(क) यादों को नदी में उठी भँवर की तरह क्यों कहा गया है ?

(ख) कवि के पास ख़ुद को कठघरे में खड़ा करने की मजबूरी क्या है ?

(ग) यादों को शरीर में धँसे काँच जैसा मानने के पीछे क्या तर्क हो सकता है ?

(घ) यादों को जानी दुश्मन की तरह मानने का क्या आशय है ?

अथवा

गुलाब का फूल है हमारा पढ़ा-लिखा
मैंने उसे काफ़ी उलट-पुलट कर देखा है
मुझे तो वह ऐसा ही दिखा
सबसे बड़ा सबूत उसके गुलाब होने का यह है
की वह गाँव में जाकर बसने के लिए तैयार नहीं है
गाँव में उसकी प्रदर्शनी कौन कराएगा
वहाँ वह अपनी शोभा की प्रशंसा किससे कराएगा
वह फूलने के बाद किसी फ़सल में थोड़े ही बदल जाता है
मूरख किसान को फूलने के बाद
फ़सल देने वाला ही तो भाता है,
गाँव में इसलिए ठीक है अलसी और सरसों के फूल ।
बीच-बीच में यह प्रस्ताव कि गुलाब गाँव में चिकित्सा करे या पढ़ाए
पेश करने में कोई हर्ज़ नहीं है
मगर साफ़ समझ लेना चाहिए कि गुलाब का यह फ़र्ज़ नहीं है कि
गाँव जाकर खिले, अलसी और सरसों वगैरा से मिले
ढँक जाए वहाँ की धूल से
और वक्तन बवक्तन अपनी प्रदर्शनी न कराए
आमीन, गुलाब पर ऐसा वक्त कभी न आए ।

(क) गुलाब और अलसी-सरसों के फूलों से कवि का क्या अभिप्राय है ?

(ख) पढ़े-लिखे गुलाब के गाँवों में जाकर बसने में क्या समस्याएँ हैं ?

(ग) 'मूरख किसान' को क्या भाता है और क्यों ?

(घ) 'आमीन, गुलाब पर ऐसा वक्त कभी न आए' से कवि का तात्पर्य क्या है ?

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) कक्षा में नई तकनीकी

(ख) जब झूठ बोलना आवश्यक हो जाए

(ग) मेरा सपना

(घ) जल बचे तो जीवन बचेगा

4. किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर सीमा पर देश की रक्षा करते हुए अपना बलिदान देने वाले भारतीय सेना के जवानों के शौर्य एवं वीरता को रेखांकित कीजिए । *5*

अथवा

'युवा सहयोग संस्था' के अध्यक्ष के रूप में सचिव, आपदा नियंत्रण विभाग, केरल सरकार को पत्र लिखकर बाढ़ राहत सामग्री के रूप में एकत्रित दवाइयों और कपड़ों को पहुँचाने का प्रस्ताव प्रस्तुत कीजिए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : *1×4=4*

(क) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के दो लाभ लिखिए ।

(ख) मुद्रित माध्यम की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(ग) 'समाचार' शब्द को परिभाषित कीजिए ।

(घ) चार प्रमुख जनसंचार माध्यमों के नाम लिखिए ।

(ङ) टेलीविज़न की भाषा की दो विशेषताएँ बताइए ।

6. 'जंकफूड और स्वास्थ्य' विषय पर एक आलेख लिखिए । *3*

अथवा

हाल ही में पढ़ी गई किसी खेल पुस्तक की समीक्षा लिखिए ।

7. 'मतदान केंद्र पर लगा लोकतंत्र का मेला' विषय पर एक फ़ीचर तैयार कीजिए । *3*

अथवा

विद्यालय में संपन्न स्वच्छता अभियान को विषय बनाकर एक फ़ीचर तैयार कीजिए ।

खण्ड ग

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज न चाकर को चाकरी ।
जीविका विहीन लोग सीद्यमान सोच बस,
कहैं एक एकन सों कहाँ जाई का करी ?
बेदहूँ पुरान कही, लोकहूँ बिलोकियत,
साँकरे सबैं पै, राम ! रावरें कृपा करी
दारिद दशानन दबाई दुनी, दीनबंधु ।
दुरित दहन देखि तुलसी हहा करी ।।

(क) तुलसीदास ने अपने समय की किन-किन समस्याओं को उठाया है ?

(ख) तुलसी किससे कृपा की उम्मीद कर रहे हैं और क्यों ?

(ग) दरिद्रता की तुलना किससे की गई है और उससे बचाव का उपाय क्या है ?

अथवा

आख़िरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
ज़ोर-ज़बरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी !
हारकर मैंने उसे कील की तरह
उसी जगह ठोंक दिया !
ऊपर से ठीक-ठाक
पर अन्दर से
न तो उसमें कसाव था
न ताक़त !
बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह
मुझसे खेल रही थी,
मुझे पसीना पोंछते देखकर पूछा –
"क्या तुमने भाषा को
सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा ?"

(क) भाषा को सहूलियत से बरतने में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

(ख) 'बात की चूड़ी मर गई' से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(ग) भाषा प्रयोग के सन्दर्भ में इन पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए :

'अन्दर से
न तो उसमें कसाव था
न ताक़त !'

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2+2=4*

नभ में पाँती-बँधे बगुलों के पंख,
चुराए लिए जाती वे मेरी आँखें ।
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया ।

(क) काव्यांश के शिल्प-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए ।

(ख) काव्यांश का भाव-सौंदर्य लिखिए ।

अथवा

रक्षाबंधन की सुबह रस की पुतली
छायी है छटा गगन की हलकी-हलकी
बिजली की तरह चमक रहे हैं लच्छे
भाई के है बाँधती चमकती राखी ।

(क) काव्यांश के भाव-सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश के शिल्प-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए ।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *3×2=6*

(क) 'आत्म परिचय' कविता में कवि ने अपने परिचय में अनेक विशेषताएँ बताई हैं । उनमें से किन्हीं तीन को समझाइए ।

(ख) भाव स्पष्ट कीजिए – "पतंगों के साथ वे भी उड़ रहे हैं ।"

(ग) " 'लक्ष्मण मूर्च्छा पर राम का विलाप' में तुलसीदास नारी के प्रति तत्कालीन समाज की मान्यताओं के प्रभाव से बच नहीं पाए ।" – सोदाहरण पुष्टि कीजिए ।

(घ) 'सहर्ष स्वीकारा है' में कवि ने 'तुम' का प्रयोग अनेक बार किया है । आपके विचार से यह 'तुम' कौन हो सकता है ? आप ऐसा क्यों मानते हैं ?

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

फिर जीजी बोलीं, "देख तू तो अभी से पढ़-लिख गया है । मैंने तो गाँव के मदरसे का भी मुँह नहीं देखा । पर एक बात देखी है कि अगर तीस-चालीस मन गेहूँ उगाना है तो किसान पाँच-छह सेर अच्छा गेहूँ अपने पास से लेकर ज़मीन में क्यारियाँ बना कर फेंक देता है । उसे बुवाई कहते हैं । यह जो सूखे हम अपने घर का पानी इन पर फेंकते हैं वह भी बुवाई है । यह पानी गली में बोएँगे तो सारे शहर, क़स्बा, गाँव पर पानीवाले फ़सल आ जाएगी । हम बीज बनाकर पानी देते हैं, फिर काले मेघा से पानी माँगते हैं । सब ऋषि-मुनि कह गए हैं कि पहले ख़ुद दो तब देवता तुम्हे चौगुना-अठगुना करके लौटाएँगे । भईया, यह तो हर आदमी का आचरण है, जिससे सबका आचरण बनता है । यथा राजा तथा प्रजा सिर्फ़ यही सच नहीं है । सच यह भी है कि यथा प्रजा तथा राजा । यही तो गांधी जी महाराज कहते हैं" ।

(क) बुवाई के लिए किसान किस प्रकार से श्रम करते हैं ?

(ख) त्याग की महत्ता को किसने बताया था ? समाज के लिए यह क्यों ज़रूरी है ?

(ग) 'यथा प्रजा तथा राजा' से जीजी क्या कहना चाहती थीं ?

अथवा

"जब डिवीज़न हुआ तभी आए, मगर हमारा वतन ढाका है, मैं तो कोई बारह-तेरह साल का था । पर नज़रुल और टैगोर को तो हम लोग बचपन से पढ़ते थे । जिस दिन हम रात यहाँ आ रहे थे उसके ठीक एक वर्ष पहले मेरे सबसे पुराने, सबसे प्यारे, बचपन के दोस्त ने मुझे यह किताब दी थी । उस दिन मेरी सालगिरह थी – फिर हम कलकत्ता रहे, पढ़े, नौकरी भी मिल गई, पर हम वतन आते-जाते थे ।"

"वतन ?" सफ़िया ने ज़रा हैरान होकर पूछा ।

"मैंने आपसे कहा न कि मेरा वतन ढाका है ।" – उन्होंने ज़रा बुरा मानकर कहा ।

"हाँ-हाँ, ठीक है, ठीक है ।" सफ़िया जल्दी से बोली ।

"तो पहले तो बस इधर ही कस्टम था, अब उधर भी कुछ गोलमाल हो गया है ।"

(क) भारतीय कस्टम अधिकारी ने ऐसा क्यों कहा कि 'मगर हमारा वतन ढाका है' ?

(ख) कस्टम अधिकारी ने सफ़िया के साथ किन स्मृतियों को साझा किया ?

(ग) "विभाजन की विभीषिका झेलने के बावजूद विस्थापित हुए लोगों में अपनी जन्मस्थली के प्रति गहरा लगाव मौजूद है" – टिप्पणी कीजिए ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) टिप्पणी कीजिए – "भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं ।" *3*

(ख) बाज़ार दर्शन में चूरन वाले भगत जी बाज़ार के जादू से अप्रभावित क्यों हैं ? अपना मत दीजिए । *3*

(ग) " 'पहलवान की ढोलक' आज हमारे द्वारा लोककला और लोक कलाकारों को अप्रासंगिक बना दिए जाने की करुण कथा भी है । आधुनिकता के दिखावे में हम उन्हें भूलते जा रहे हैं ।" तर्क सहित प्रतिपादित कीजिए । *3*

(घ) डॉ. आंबेडकर ने राजनीतिज्ञ को व्यवहार में किस व्यवहार्य सिद्धांत की आवश्यकता बताई है ? *1*

13. 'सिल्वर वेडिंग' की शाम को सेक्शन ऑफीसर यशोधर पंत की कार्यालयी गतिविधियों पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिए । *4*

अथवा

ऐन फ्रैंक की डायरी के पन्नों से तत्कालीन यूरोपीय नारी के जीवन के बारे में किन बातों की जानकारी मिलती है ? आज के जीवन से उनकी तुलना कीजिए ।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×2=8*

(क) हमारे पूर्वजों ने पाँच हज़ार वर्ष पहले किस प्रकार विश्व को व्यवस्थित जीवन जीने का तरीका सिखाया था ? 'अतीत के खंडहर' पाठ के आधार पर सोदाहरण उत्तर दीजिए ।

(ख) यशोधर बाबू ने किशनदा से किन जीवन-मूल्यों को पाया था ? क्या आप भी उन्हें अपनाना चाहेंगे ? क्यों ?

(ग) 'जूझ' पाठ के लेखक के पिता अपने बेटे की पढ़ाई के विरुद्ध क्यों थे ? शिक्षा के प्रति अपनाया गया उनका यह रवैया वर्तमान सन्दर्भों में त्याज्य क्यों है ?

(घ) ऐन फ्रैंक ने अपनी डायरी एक निर्जीव गुड़िया 'किट्टी' के नाम संबोधित चिट्ठी के रूप में क्यों लिखी ? इस आलोक में तत्कालीन राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी कीजिए ।